



रजि.नं.34300/80

संख्या 236

श्री विजय पुरम, गुरुवार, 03 सितम्बर 2026

web: dt.andamannicobar.gov.in

2.00 रूपए

धान की उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने पर फील्ड डे कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 2 सितंबर।

आईसीएआर-केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम द्वारा आईसीएआर-कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण अण्डमान के सहयोग से 2 सितंबर, 2026 को छोलदारी स्थित ब्लूमसडेल अनुसंधान फार्म में "उच्च उपज वाली धान की किस्मों के प्रदर्शन के माध्यम से धान की उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाना" विषय पर फील्ड डे कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर-सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के निदेशक डॉ. जय सुंदर के समग्र मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में फार्म प्रबंधक श्री के. श्याम सुंदर राव ने उत्तर व मध्य अण्डमान से आए किसानों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने द्वीपों के किसानों एवं अन्य हितधारकों के लाभ के लिए ब्लूमसडेल अनुसंधान फार्म में किए जा रहे अनुसंधान एवं फार्म प्रबंधन संबंधी गतिविधियों का अवलोकन प्रस्तुत किया।

एफसीआईपी अनुभाग के प्रमारी प्रमुख एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी. के. सिंह ने खेत में आईसीएआर-सीआईएआरआई द्वारा विकसित विभिन्न उच्च उपज वाली धान की किस्मों के प्रदर्शन का प्रस्तुतीकरण किया तथा संस्थान द्वारा विकसित उन्नत किस्मों एवं उन्नत उत्पादन तकनीकों का प्रदर्शन किया। उन्होंने किसानों के साथ संवाद भी किया तथा उनके सामने आने वाली विभिन्न कृषि संबंधी समस्याओं एवं चुनौतियों पर चर्चा की।

आईसीएआर-कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण अण्डमान के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वाई. रामकृष्ण ने प्राकृतिक खेती आधारित धान के खेत का प्रदर्शन किया तथा टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं जलवायु-सहिष्णु कृषि को बढ़ावा देने में प्राकृतिक खेती पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला।



वैज्ञानिक डॉ. प्रमु पी. ने सहभागी किसानों के साथ संवाद किया तथा उनसे आईसीएआर-सीआईएआरआई द्वारा विकसित उन्नत धान की किस्मों एवं उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपयुक्त उन्नत तकनीकों को अपनाने से फसल की उत्पादकता एवं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है, किसानों की आजीविका में सुधार किया जा सकता है तथा द्वीपों में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सकता है।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कार्यक्रम में उत्तर व मध्य अण्डमान के कुल 43 किसानों ने भाग लिया, जिनमें 32 महिलाएं एवं 11 पुरुष शामिल थे। किसानों ने तकनीकी विचार-विमर्श, किसान-वैज्ञानिक संवाद तथा खेत में किए गए प्रदर्शनों से लाभ प्राप्त किया। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कृषि निदेशालय के अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन तकनीकी सहायक श्री बिकाश चंद्र मंडल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।